ANTONY

Ferdinando Frega — Nando the Scribe



Gillettenarrative.com

जिलेट: एंटनी

मैं इस नाम की चीरफाड़ करना चाहता था, पर मेरे पास बस उन लोगों की यादें बची हैं जिन्हें मैंने जाना, चाहा, जिनके साथ जिया, और कुछ वे भी जिन्हें मैंने बेहतर जगह तक भेज दिया। और शरीर-रचना के काम के लिए डिग्रियाँ चाहिए, प्रमाणपत्र, विशेषज्ञताएँ — बहुत ज़्यादा अफ़सरशाही।

मुझे भुना हुआ चिकन हाथों से खाना और हाथ धोते ही मेज़ से उठ जाना पसंद है, ताकि उसकी गंध अपने साथ लिए न घूमूँ।

पहला “अंतोनियो” — स्त्रीलिंग में — एक रोमन औरत थी, उम्र में बड़ी, तेज़, गर्मी की रातों वाले उस आत्मविश्वास के साथ जो लोगों में तब होता है जब समुद्र गुनगुना हो और रेत को अब भी दिन याद हो। उसने मुझे समुद्र-तट पर अकेला पाया, पानी को उस तरह ताकते हुए जैसे आदमी तब ताकता है जब वह अपने बारे में कुछ समझने की कोशिश कर रहा हो, यह जाने बिना कि वह क्या है।

उसने मुझसे एक सवाल पूछा — सीधा, दो टूक — वैसा, जैसा बड़े तब पूछते हैं जब देखना चाहते हैं कि तुम किस मिट्टी के बने हो। मैंने उस इकलौती दिलेरी से जवाब दिया जो उस वक़्त मेरे पास थी: “सुरक्षित सेक्स।” इसलिए नहीं कि उसका कोई मतलब था, बल्कि इसलिए कि वही इकलौता जुमला था जो इतना बड़ों-जैसा सुनाई देता था कि मुझे छोटा महसूस करने से बचा ले।

वह ठहाका मारकर हँस पड़ी, मेरा हाथ पकड़ा, और मुझे मेरी माँ के पास वापस ले गई, जो मुझे देखते ही फट पड़ी: “इस बार इस कमबख़्त ने क्या गुल खिलाया है?”

“कुछ नहीं,” औरत ने कहा। “यह बड़ा बनना चाहता था और उससे कुछ ज़्यादा बन गया।” और वह चली गई। मेरी माँ, एक बार के लिए मेरी दोस्त बनने की कोशिश में, पास आई ताकि फुसलाकर मुझसे उगलवा ले कि हुआ क्या था — यह भूलकर कि मुझे दुनिया में वही लाई थी, और इससे उसे मेरे ख़यालों तक कोई ख़ास पहुँच नहीं मिल जाती थी।

“कुछ ख़ास नहीं,” मैंने उससे कहा। “उसकी कार की चाबियाँ गिर गईं, वह उन्हें उठाने झुकी, और उसने अंडरवियर नहीं पहना था — वह भी भूल गई थी। और मैंने उससे पूछा कि क्या वह आम तौर पर काला पहनती है, और वह लाल हो गई।”

“और तुमने क्या किया?” उसने पूछा। “तुम्हारी प्रतिक्रिया क्या थी? तुम कैसे पेश आए?”

मैंने वही किया जो पापा हमेशा करते हैं जब तुम उन्हें ग़ुस्सा दिलाती हो। मैं मुस्कुराता हूँ, अलविदा कहता हूँ, और चल देता हूँ।

नांदो